POLITICAL SCIENCE Dept.
B.A.-III (Hons) Paper-V

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur
Samastipur

सम्प्रेषण (Communication)

सम्प्रेषण का अर्थ है सूचना का एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को संचरण ताकि उनमें उद्देश्यों, प्रयासों एवं हितों सम्बन्धी सामान्य दृष्टिकोण को उत्पन्न किया जा सके। सम्प्रेषण का अभिप्राय दो या अधिक व्यक्तियों में तथ्यों, विचारों या भावनाओं का विनिमय है। प्रशासन में सम्प्रेषण का अभिप्राय इससे कहीं अधिक है। सम्प्रेषण विचारों और सूचनाओं का इस रूप में आदान-प्रदान है ताकि यह आपसी विश्वास पैदा करने और एक-दूसरे को समझने के लिए कार्यकारी हो। यह आदान-प्रदान शब्दों, पत्रों, प्रतीकों या संदेशों से हो सकता है।

लुइस ए ऐलन के अनुसार, "यह एक व्यक्ति के उन समस्त प्रयासों का कुल योग है जिसके द्वारा वह एक-दूसरे के मस्तिष्क में अपने प्रति अनुकूल भावना उत्पन्न कर सके। यह अभिप्रायों का सेतु है। यह बताने, सुनने और समझने की व्यवस्थित और निरंतर प्रक्रिया है।"

सम्प्रेषण को संगठन का अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्धांत माना जाता है। संगठन के उद्देश्यों की सफलतापूर्वक प्राप्ति के लिए प्रभावपूर्ण संचार और संचार व्यवस्था का होना अति आवश्यक है।